मेला

श्यामा शिवपुर कै म्याला देखै जाय रही है ,ऊ नई फिराक पहिरे है

श्यामा –अम्मा अम्मा जल्दी चलव नाही तौ अब्दुल चाचा की ट्राली मा जगह न मिली

अम्मा – तुम खाना तौ खाय लेव

श्यामा –हमका भूख नहीं लाग है ,बप्पा बिन्नहक देर लगाय रहे हैं उइ तौ अबहीं तक नये कपड़व नहीं पहिरिन हैं

बप्पा- तुम पंचे चलि कै चाचा की ट्राली मा बैठव ,हम भैंसी का हरेरी दै कै आय रहे हन

ट्राली मा बहुत जने बैठ रहें . श्यामा ,ऊकी अम्मा औ बप्पा ट्राली मा बैठ गे . ट्राली चलि परी . तब्बै एक हवाई जहाज सों सों करत निकरा सब गेदहरा चिल्लाय परे, हवाई जहाज ,हवाई जहाज .

थोरी देर मा म्याला नंगीचे आय गवा . मीनू के बप्पा गेदहरन का समझावे लागे म्याला मा सब जने एक दुसरे कै अंगुरी पकरे रहेव, नहीं तौ हेराय जैहौ . मेला मा मेर मेर कै दुकानें रहीं.खेलौनन कै दूकान देखि कै गेदहरा रूकि गे.मीनू की अम्मा बोलीं पहिले म्याला घूमि लेव फिर खेलौना खरीद देबै , सब लोग मिठाई की दूकान पै गये हुआँ उइ सब जलेबी औ बरफी खायिन .

म्याला मा सरकस लाग रहा ,गेदहरा सरकस देखिन औ झुलवा झूलिन .एक कैती जादूगर जादू देखावत रहा .श्यामा चाभी वाला जहाज खरीदिस ,मीनू गाड़ी औ अम्बर जोकर खरीदिन .श्यामा की अम्मा बक्सा खरीदिन .बप्पा बैलन की खत्तिर घंटी खरीदिन .म्याला देखय के बाद सब लोग ट्राली से घर का वापस चलि दिहिन .नेहा कहिस- रोज म्याला देखय का मिलय तौ केतना नीक लागत .अम्बर बोला रोजय मिठाई ,समोसा अहा

मेला –म्याला **अंगुली** –अंगुरी
फ्राक –फिराक **तरह तरह** –मेर मेर
पिता जी -बप्पा **झूला** –झुलवा
चारा –हरेरी **रोज** –रोजय
निकला –निकरा **सर्कस** –सरकस

अभ्यास

- तुम कौन कौन मेला गये हौ ?हुआ पै तुम का का देखेव ?
- का तुम्हरे गाँव मा कोनौ मेला लागत है ?
- तुम जौने मेला गयेव रहै उमा काहे काहे की दूकान लगी रहीं ?
- अगर तुमका दूकान लगावै का कहा जाय तौ तुम कौन दूकान लगैहौ?
- अगर तुम मेला मा हेराय जाव तौ का करिहौ ?